Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–4

प्राथमिक क्रियाएँ

भाग - 2

रामावतार यादव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्राथमिक क्रियाएँ

आर्थिक क्रिया

मानव के वो क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है, उन्हें आर्थिक क्रिया कहा जाता है।

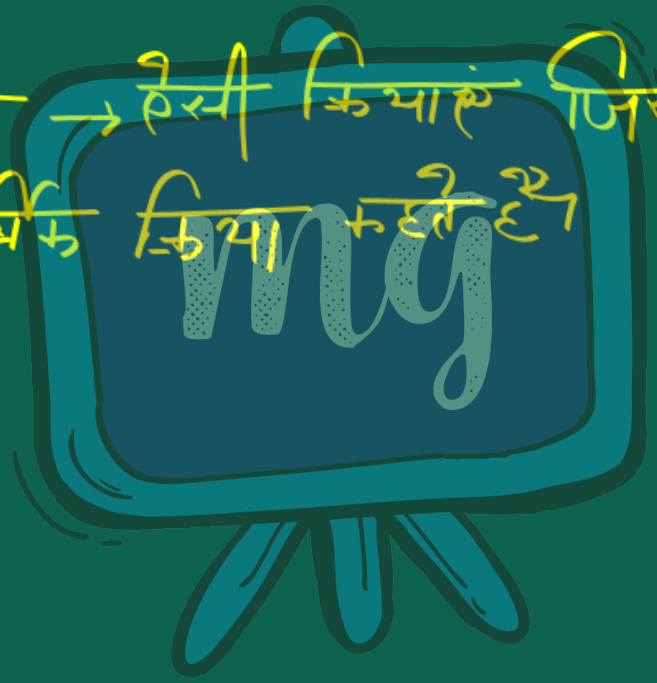


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

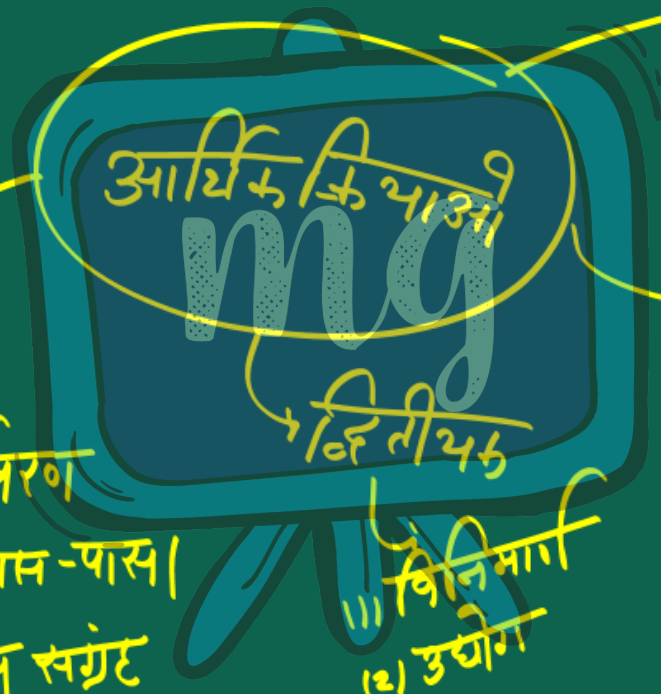
प्राथमिक क्रियाओं

→ आर्थिक क्रियाओं → ऐसी क्रियाएं जिससे आय की प्राप्ति होती है उसे आर्थिक क्रिया कहते हैं



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



रेड कॉलर श्रमिक

प्राथमिक

प्रकृति के/पर्यावरण के आस-पास।

EX→ (1) आखेट (2) भोजन संग्रह
(3) कृषि (4) पशुपालन
(5) मत्स्य पालन (6) लकड़ी काटना।
(7) खनन

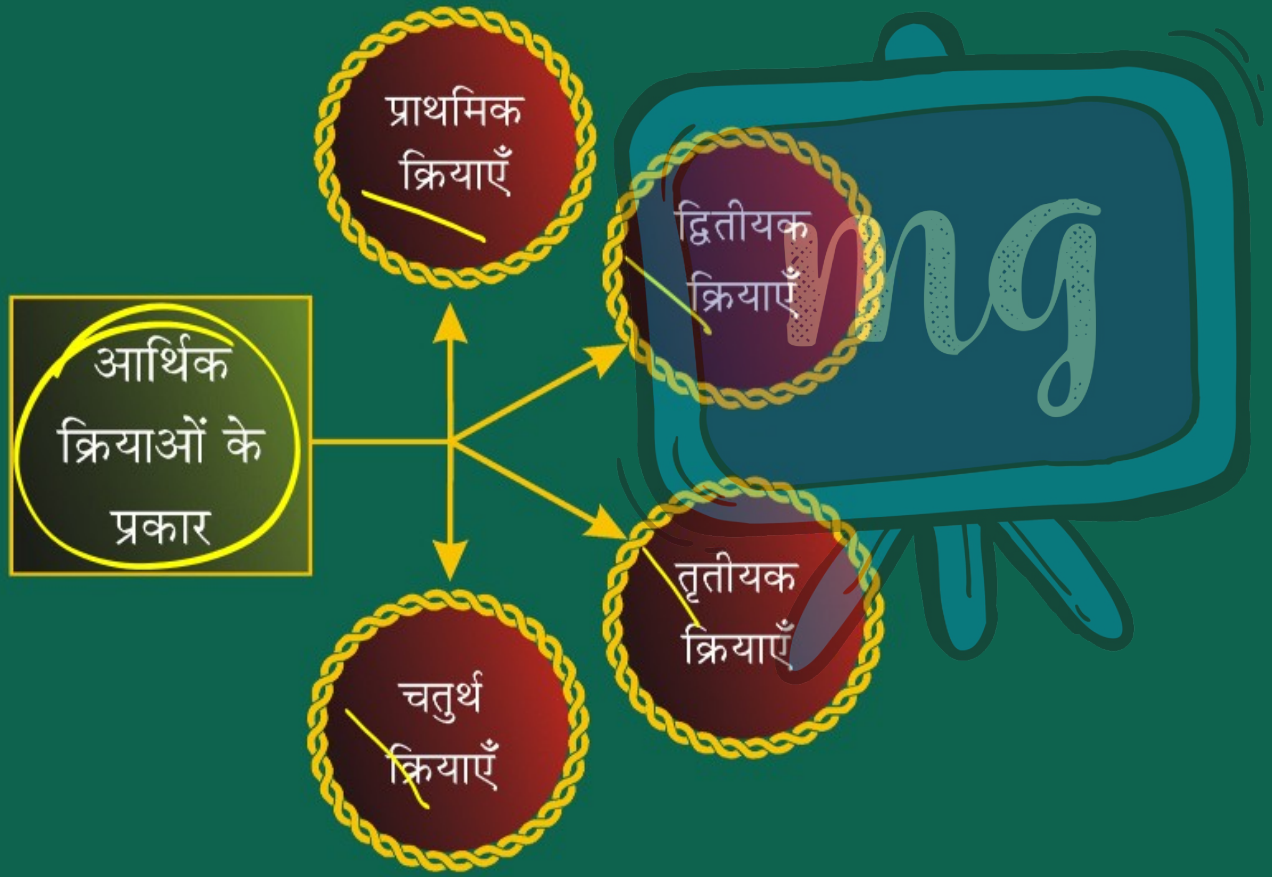
(1) विनिर्माण
(2) उद्योग

चतुर्थ क्रिया
↳ लेखन, वैज्ञानिक

तृतीयक
↳ सेवा क्षेत्र, व्यापार
शिक्षा, परिवहन
चिकित्सा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्राथमिक क्रियाएँ

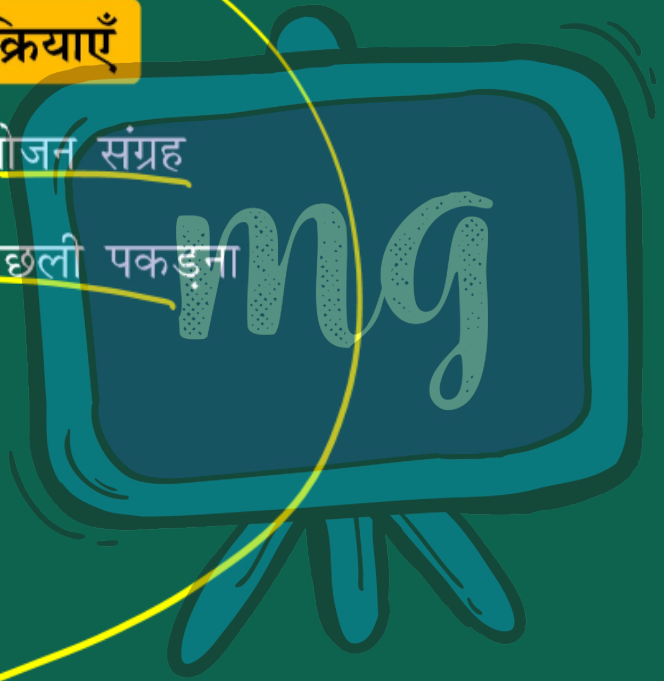
- प्राथमिक क्रियाएँ प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर है, क्योंकि ये पृथ्वी के संसाधनों जैसे – भूमि, जल, वनस्पति, भवन निर्माण सामग्री एवं खनिजों के उपयोग के विषय में बतलाती हैं।
- प्राथमिक कार्यकलाप करने वाले लोग उनका कार्य क्षेत्र घर से बाहर होने के कारण लाल कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्राथमिक क्रियाएँ

- आखेट शिकार
- पशुचारण
- कृषि
- खनन
- वनों से लकड़ी काटना
- भोजन संग्रह
- मछली पकड़ना



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राचीन क्रियाएं

आखेट एवं भोजन संग्रह

मानव सभ्यता के आरंभिक युग में आदिमकालीन मानव अपने जीवन निर्वाह के लिए अपने समीप के वातावरण पर निर्भर रहता था।



भोजन संग्रह



आखेट

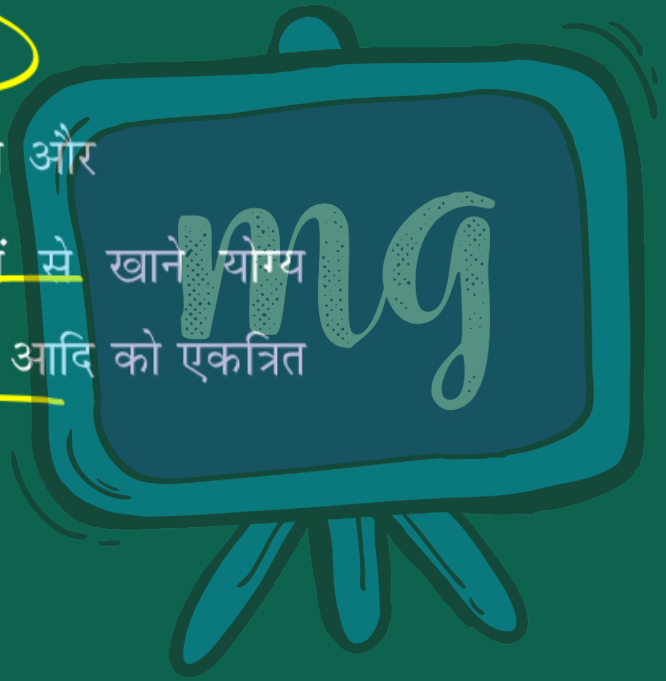
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जीवन-निर्वाह के कार्य

(क) पशुओं का आखेट करना और

(ख) अपने समीप के जंगलों से खाने योग्य जंगली पौधे एवं कंद-मूल आदि को एकत्रित करना।

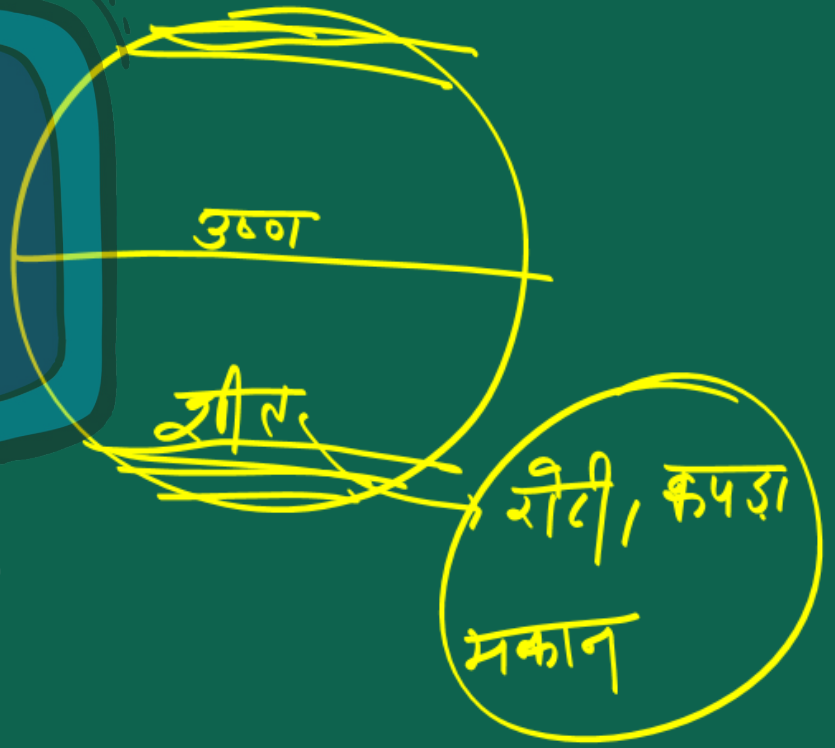


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आखेट एवं भोजन संग्रह की विशेषताएँ

- भोजन संग्रह एवं आखेट प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाएँ हैं।
- अतिशीत एवं अत्यधिक गर्म प्रदेशों के रहने वाले लोग आखेट द्वारा जीवन-यापन करते थे।
- ये लोग अपने भोजन, वस्त्र एवं शरण की आवश्यकता की पूर्ति हेतु पशुओं एवं वनस्पति का संग्रह करते हैं। इस कार्य के लिए बहुत कम पूँजी एवं निम्न स्तरीय तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

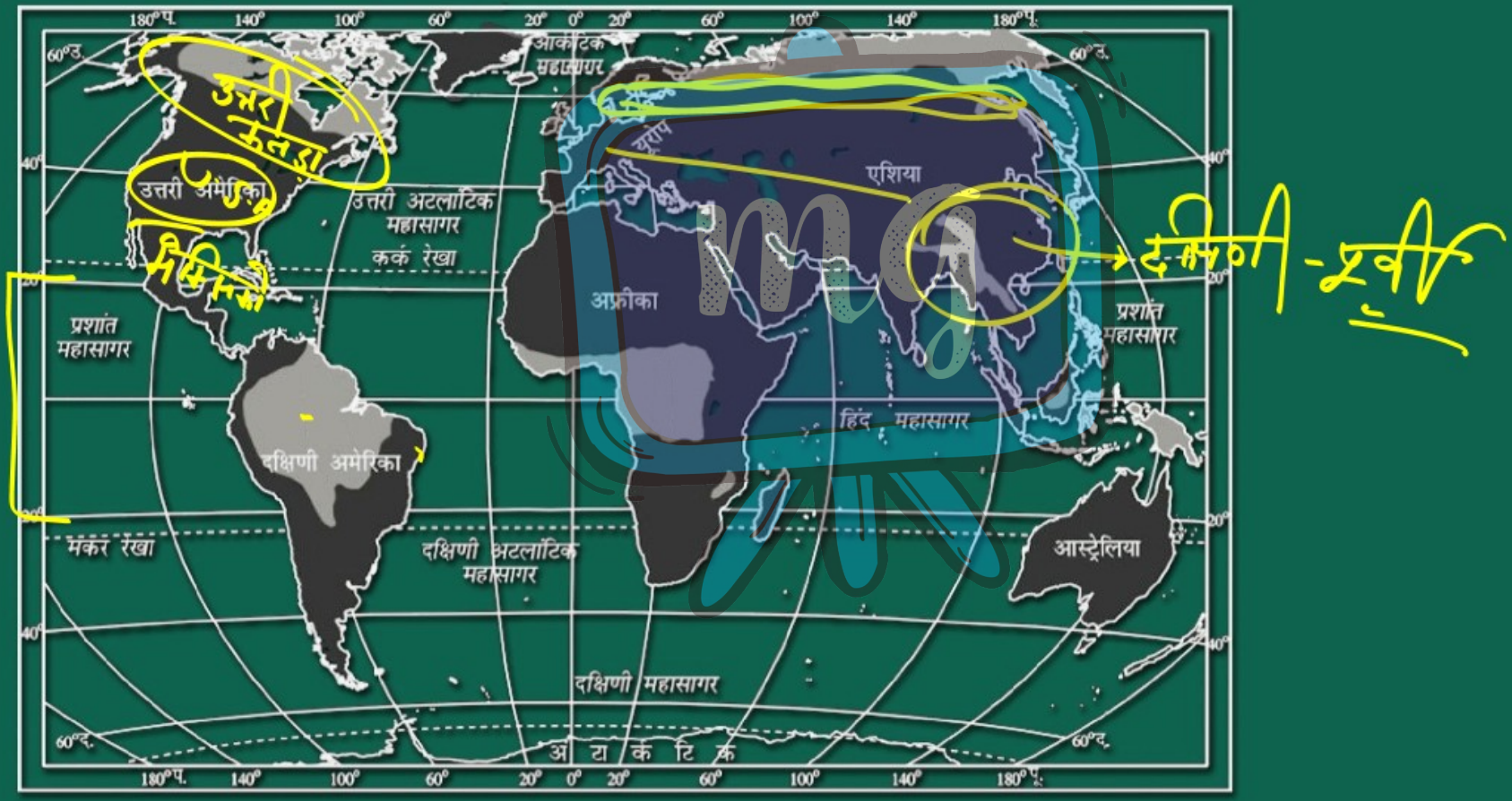
विश्व के भोजन संग्रह क्षेत्र

(i) उच्च अक्षांश के क्षेत्र- उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया एवं दक्षिणी चिली।

(ii) निम्न अक्षांश के क्षेत्र- अमेजन बेसिन, (ब्राजील) उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, आस्ट्रेलिया एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया का आंतरिक प्रदेश।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- आधुनिक समय में भोजन संग्रह के कार्य का कुछ भागों में व्यापारीकरण भी हो गया है।
- उदाहरण–

छाल का उपयोग – कुनैन, चमड़ा एवं कार्क।

पत्तियों का उपयोग– पेय पदार्थ, दवाइयाँ एवं कांतिवर्द्धक वस्तुएँ ।

रेशे का उपयोग – कपड़ा बनाना।

तने का उपयोग– रबड़, गोंद व राल बनाना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

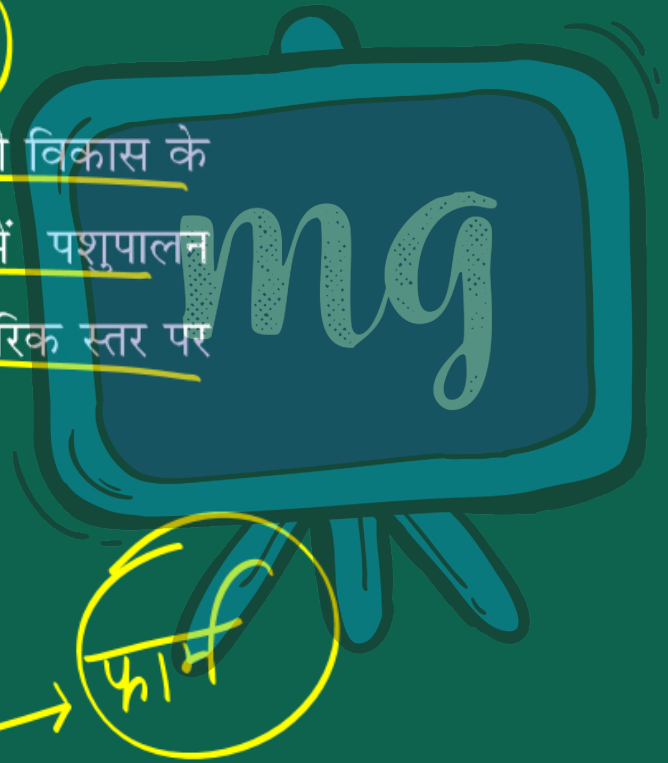
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

पशुचारण

- भौगोलिक कारकों एवं तकनीकी विकास के आधार पर वर्तमान समय में पशुपालन व्यवसाय निर्वहन अथवा व्यापारिक स्तर पर किया जाता है।

पशुचारण के प्रकार

1. चलवासी पशुचारण
2. वाणिज्य पशुधन पालन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चलवासी पशुचारण



→ गुज्जर बकरवाल जाति

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय रहा है जिसमें पशुचारक अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भर रहता था।
- वे अपने पालतू पशुओं के साथ पानी एवं चरागाह की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के अनुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होते रहते थे। इन पशुचारक वर्गों के अपने-अपने निश्चित चरागाह क्षेत्र होते थे।

प्राचीन, जीवन-निर्वाह व्यवसाय

भोजन, वस्त्र, शरण

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख पशु

- उष्णकटिबंधीय अफ्रीका → गाय-बैल।
- सहारा एवं एशिया के मरुस्थल → भेड़, बकरी एवं ऊँट।
- तिब्बत एवं एंडीज के पर्वतीय भाग → याॅक व लामा।
- आर्कटिक और उप उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र → रेंडियर।